



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिपक्ष से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 323]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 31, 1995/श्रावण 9, 1917

No. 323]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 31, 1995/SRAVANA 9, 1917.

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1995

सां. का. नि. 567अ--दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 का 66 की धारा 34 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकारें दिल्ली नगर निगम (पार्श्वों और स्लडरमैन के भत्ते) नियम, 1958 में जागे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों को दिल्ली नगर निगम (पार्श्वों और स्लडरमैन के भत्ते) संशोधन नियम, 1995 कहा जाएगा ।
(2) वे तत्काल प्रभावी होंगे ।
2. दिल्ली नगर निगम (पार्श्वों और स्लडरमैन के भत्ते) नियम, 1958 (जिन्हें यहाँ बाद में उक्त नियम कहा गया है) में नियम 1 में "स्लडरमैन" शब्द के लिए "व्यक्तिगण" शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा ।
3. उक्त नियमों के नियम 2 में खण्ड (ग) के बाद निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-
"ग ग" "व्यक्ति" या "व्यक्तिगण" अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (3) के खण्ड (ख) में सन्दर्भित व्यक्ति या व्यक्तिगण से अभिप्रेत है ।"
4. उक्त नियमों में, नियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-
"3. पार्श्वों के भत्ते--एक पार्श्व उस प्रत्येक दिन के लिए जिस दिन वह निगम की या उसकी किसी समिति की बैठक या बैठकों में भाग लेता है पचास रुपए की दर से दैनिक भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा, यह राशि अधिकतम सात सौ पचास रुपए प्रति माह तक होगी ।"

5. उक्त नियमों में नियम 4, 6 और प्रपत्र में, "एल्डरमैन" अथवा "एल्डरमेन" शब्दों के स्थान पर, जहाँ कहीं वे आते हों, क्रमशः "व्यक्ति" अथवा "व्यक्तिगण" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा. सं. यू-14011/147/94-दिल्ली-II]
राजीव रत्न शाह, संयुक्त सचिव

पाद नोट : मूल नियम दिल्ली राजपत्र में सं. एफ-20152/58-एस. आर. आर. विनोद 10 मई, 1958 के तहत प्रकाशित किए गए थे और तदुपरान्त सं. यू-13021/4/73-दिल्ली विनोद 5 अप्रैल, 1974 के तहत उन्हें संशोधित किया गया था।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 1995

G.S.R. 567(E).--In exercise of the powers conferred by section 34 of the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Delhi Municipal Corporation (Allowances of Councillors and Aldermen) Rules, 1958, namely :--

1. (1) These rules may be called the Delhi Municipal Corporation (Allowances of Councillors and Aldermen) (Amendment) Rules, 1995.
- (2) They shall come into force with immediate effect.

2. In the Delhi Municipal Corporation (Allowances of Councillors and Aldermen) Rules, 1958 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 1, for the word "aldermen", the word "Persons" shall be substituted.

3. In the said rules, in rule 2, after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :--

"(cc) 'a person' or 'persons' means a person or persons referred to in clause (b) of sub-section (3) of section 3 of the Act;".

4. In the said rules, for rule 3, the following rule shall be substituted, namely :--

"3. Allowances of councillors--A councillor shall be entitled to receive a daily allowance at the rate of fifty rupees for each day on which he attends a meeting or meetings of the Corporation or any Committee thereof subject to the maximum of rupees seven hundred and fifty per month."

5. In the said rules, in rule 4, 6 and in the FORM, for the words "an alderman" or "aldermen", wherever they occur, the words 'a person' or 'persons' shall respectively be substituted.

[F. No. U. 14011/147/94-Delhi-II]

RAJEEVA R. SHAH, Jt. Secy.

Foot Note : The principal rules were published in the Delhi Gazette vide number F. 20152/58-SR(R) dated 10th May, 1958 and subsequently amended vide number U. 13021/4/73-Delhi dated 5th April, 1974.